अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : दसवीं - जैन सिद्धान्त प्रभाकर उत्तरार्द्ध (परीक्षा 29 जुलाई, 2018)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से काम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) उत्तराध्ययन के दसवें अध्ययन का नाम है -

(क) दुमपत्तयं (ख) दुमपुप्फिया

(ग) दुर्मतिया (घ) दुग्गच्छइ ( )

(b) 'निवडइ' शब्द का अर्थ है -

(क)गिर जाता है (ख) बढ़ता है

(ग) निवृत होता है (घ) नष्ट होता है ( )

(c) सुख विपाक सूत्र में अध्ययन हैं -

(क) 8 (ख) 10

(ग) 12 (घ) 15 ( )

(d) नारकी जीवों को कितने प्रकार की वेदना भोगनी पड़ती हैं -

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार ( )

(e) देवों के कितने निकाय होते हैं -

(क) एक (ख) दो

(ग) तीन (घ) चार ( )

(f) एक पृथ्वीकाय दूसरी पृथ्वीकाय से अवगाहना की अपेक्षा है-

(क) षट्स्थानपतित (ख) चतुःस्थानपतित

(ग) एकस्थानपतित (घ) द्विस्थानपतित ( )

(g) नैरयिक जीवों के कितने अलावा होते हैं -

(क) 24 (ख) 98

(ग) 375 (घ) 93 ( )

(h) एक पर्याय से दूसरी पर्याय में जाने वाला कहलाता है-

(क) द्रव्य (ख) गुण

(ग) पर्याय (घ) तत्त्व ( )

(i) 'प्राकृत प्रकाश' ग्रन्थ के रचयिता हैं-

(क) भामाह (ख) वररूचि

(ग) त्रिविक्रम (घ) हेमचन्द्राचार्य ( )

(j) बोद्ध साहित्य में 'पाली' शब्द का अर्थ है-

(क) रेखा (ख)पंक्ति

(ग) बिन्दु (घ) सम ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) आकाश द्रव्य अनन्त प्रदेशी होता है। ( )

(b) पंचेन्द्रियकाय में उत्पन्न हुआ जीव अधिकतम 10 भव तक वहाँ रहता है। ( )

(c) उत्तराध्ययन सूत्र के दसवें अध्ययन में कुल 35 गाथाएँ हैं। ( )

(d) सुख विपाक सूत्र के दूसरे अध्ययन का नाम 'भद्रनन्दी' है। ( )

(e) सुबाहुकुमार राजा अदीनशत्रु का पुत्र था। ( )

(f) युगलिक मनुष्यों में अवधि ज्ञान नहीं होता है। ( )

(g) मनुष्य के कुल 96 अलावा होते हैं। ( )

(h) जो आत्मा है वही विज्ञाता है, जो विज्ञाता है वही आत्मा है। ( )

(i) लक्ष्मीधर की वृत्ति का नाम षड्भाषा चन्द्रिका है। ( )

(j) प्राकृत में शब्द के अन्त में प्रायः विसर्ग का प्रयोग होता है। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं एक ऐसी गति हूँ, मुझमें उत्पन्न जीव अधिक से अधिक एक भव तक वहाँ रहता है। .....

(b) मैं सबाहु कुमार का पूर्वभव हूँ। .....

(c) मैं सौगन्धिका नगरी का राजा हूँ तथा जिनदास का दादा हूँ। .....

(d) मैं एक ऐसा द्रव्य हूँ, जो आलोक में भी रहता हूँ। .....

(e) वर्तना, परिणाम, क्रिया, परत्व और अपरत्व मेरे उपकार हैं। .....

(f) मेरी उत्कृष्ट अवगाहना 500 धनुष की है। .....

(g) मैं सभी धर्मों का प्राण और जैन धर्म का आधार हूँ। .....

(h) मैं एक ऐसा वाद हूँ, जो वस्तु के सर्वांगीण ज्ञान के द्वार खोलता हूँ और आग्रह से मुक्त करता हूँ। .....

(i) मुझे आगम भाषा एवं आर्य भाषा होने की प्रतिष्ठा प्राप्त है। .....

(j) मैं हेमचन्द्राचार्य द्वारा रचित एक व्याकरण ग्रन्थ हूँ। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **परिजुरइ ते सरीरयं, केसा पंडुरया हवंति ते।**
से जिब्भबले य हायई, समयं गोयम। मा पमायए। गाथा का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(b) **तिण्णो हु सि अण्णवं महं, कि पुण चिट्ठसि तीरमागओ।**
अभितुर पारं गमित्तए, समयं गोयम। मा पमायए।। गाथा का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(c) **दुल्लहे खलु माणुसे भवे, चिरकालेण वि सव्वपाणिणं।**
गाढा य विवाग कम्मुणो, समयं गोयम। मा पमायए।। गाथा का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(d) **लद्धूणवि उत्तमं सूइं, सद्दहणा पुणरवि दुल्लहा।**
मिच्छत्त निसेवए जणे, समयं गोयम। मा पमायए।। गाथा का अर्थ लिखिए।

.....

.....

.....

(e) **सुमुख गाथापति के घर कौन-कौन से पाँच दिव्य प्रकट हुए ?**

.....

.....

(f) **''नाणोः।'' सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

(g) ''परस्परोपग्रहो जीवानाम्।'' सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

(h) ''गुण पर्यायवद् द्रव्यम्।'' सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

(i) ''तत्कृतः कालविभागः।'' सूत्र का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

(j) द्विस्थानपतित का आशय स्पष्ट कीजिए।

.....

.....

(k) संख्यात भाग हीन से क्या तात्पर्य है।

.....

.....

(l) प्रत्येक जीव की पर्याय संख्यात, असंख्यात न होकर अनंत क्यों होती है ?

.....

.....

(m) अनेकान्त शब्द को परिभाषित कीजिए।

.....

.....

(n) निम्न प्राकृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद कीजिए-

तुमं गिहं गच्छसि। .....

वीरो लेहं लिहइ। .....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3 = (42)**

(a) **मनुष्यत्व पाकर भी कौन-कौनसी घाटियाँ पार करना दुर्लभ है ?**

.....

.....

.....

.....

(b) **किन्हीं दो दृष्टान्तों से जीवन की क्षण-भंगुरता स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(c) **मनुष्य भव की दुर्लभता का संक्षेप में वर्णन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **न हू जिणे अज्ज दिस्सई, बहुमए दिस्सई मग्गदेसिए।**
संपइ नेयाउए पहे, समयं गोयम। मा पमायए।। इस गाथा का भावार्थ लिखिए।

.....

.....

.....

.....

(e) **सुबाहु कुमार के पूर्वभव का संक्षेप में वर्णन कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **मनुष्य क्षेत्र अढ़ाई द्वीप प्रमाण कैसे होता है ? समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **चौसठ इन्द्र किस प्रकार होते हैं ? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **सूत्र का उल्लेख करते हुए सत् का लक्षण लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **परमाणु को अप्रदेशी क्यों कहा जाता है ?**

.....

.....

.....

.....

(j) **षट्स्थानपतित का आशय उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **मनःपर्यव ज्ञानी को स्थिति की अपेक्षा त्रिस्थानपतित क्यों कहा गया है ?**

.....

.....

.....

.....

(l) **नारकी के एक नैरयिक की दूसरे नैरयिक से द्रव्य, प्रदेश, अवगाहना एवं स्थिति के अनुसार तुलना कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(m) **हा (होना) क्रिया के वर्तमान काल के रूप लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(n) **'जिण' शब्द की प्रथमा, तृतीया व चतुर्थी विभक्ति के रूप लिखिए।**

.....

.....

.....

.....